B.com III

By Manoj Kumar

प्रमाप लागत

Standard costing and variance Analysis

प्रमाप लागत एक ऐसी प्रबन्धकीय तकनीक है जिसके द्वारा किसी वस्तु की उत्पाद लागत पर नियन्त्रण रखा जा सकता है। अभी तक लागत ज्ञात करने की जो विधियाँ बतायी गयी है, वे ऐतिहासिक लागत पद्धति कहलाती है जिसके अर्न्तगत वस्तु के निर्माण अथवा कार्य की समाप्ति के पश्चात् उसकी लागत ज्ञात हो जाती है, किन्तु प्रमाप लागत मे उत्पादन से पहले ही लागत ज्ञात करनी होती है

प्रमाप लागत विधि एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके अर्न्तगत उत्पादन की लागत उत्पादन से पहले ही निर्धारित कर ली जाती है। बाद में उस वस्तु के वास्तविक उत्पादन के पश्चात् वास्तविक लागत ज्ञात की जाती है। अन्त में वास्तविक लागत की प्रमाप लागत से तुलना की जाती है और अन्तर के कारणों पर विचार किया जाता है जिससे भावी उत्पादन की प्रमाप लागत का सही निर्धारण किया जा सके।

परिभाषा - प्रमाप लागत विधि, लागत नियन्त्रण की वह तकनीक है जिसमे उत्पादन लागत का पूर्व-निर्धारण किया जाता है और उत्पादन होने पर आयी लागत की पूर्व-निर्धारित लागतो से

तुलनाएँ अन्तर के कारणों (विचरण) को ज्ञात कर लागतों पर नियन्त्रण का प्रयास करते हैं ताकि पूर्व निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके।

विशेषताएँ — (characteristics)

① प्रमापों का निर्धारण (Fixation of Standards)

② प्रमापलागत का निर्धारण (Fixation of Standard cost)

③ वास्तविक लागत का निर्धारण (compilation of Actual cost)

④ विचरण का निर्धारण (Determination of variance)

⑤ विकल्पों का अध्ययन (Study of options)

⑥ प्रबन्ध को रिपोर्ट देना (Report to management)

उद्देश्य (Objects) —

① लागत पर नियन्त्रण रखना (control on cost)

② व्यापारिक कुशलता मे वृद्धि (Increase in Business Efficiency)

③ व्यापारिक पूर्वानुमानों को प्रभावी बनाना (Effective Business Estimates)

④ उत्पत्ति के साधनों का सर्वोत्तम प्रयोग (Best use of Production Factors)

⑤ उत्तरदायित्व का निर्धारण (Determination of Responsibility)

⑥ प्रबन्ध को प्रगतिशील बनाना (To make management Progressive)

Scanned with CamScanner

लाभ (Advantages) —

① लागत ज्ञात करना (Knowledge of cost)

② तुलनात्मकता (Comparison)

③ मितव्ययता (Economy)

④ लागत में कमी (Decrease in cost)

⑤ कार्यक्षमता में वृद्धि (Increase in Efficiency)

⑥ वित्तीय लेखों का मिलान (Reconciliation With Financial Account)

⑦ नीति निर्धारण में सुविधा (Useful in Policy making)

⑧ बजट बनाने में सहायक

सीमायें (Limitations)

Ⓐ कठिन एवं जटिल Difficult and complicated

Ⓑ अधिक खर्चीली (More expensive)

Ⓒ बजटरी नियंत्रण की आवश्यकता Need of Budgetary control

Ⓓ कर्मचारियों के मनोबल में गिरावट (Detrimental to morale of Employees)

Ⓔ शीघ्र तकनीकी परिवर्तन वाले उद्योगों में अनुपयुक्त (Unsuitable for industries with immediate Technical charges)

Scanned with CamScanner